

**This question paper contains 1 printed page.**

**Roll No.** :  
**Unique Paper Code** : **62131116**  
**Name of the Paper** : **Sanskrit B: Upanishad and Gita**  
**Name of the Course** : **B.A (Prog.) MIL , LOCF**  
**Semester** : **I**  
**Duration** : **3 Hours**  
**Maximum Marks** : **75**

**टिप्पणी:**

1. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
2. इस प्रश्नपत्र में कुल 6 प्रश्न हैं। इनमें से किन्हीं 4 प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सबके अङ्क समान हैं।

**Note:**

1. Answers should be written in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English** but the same medium should be used throughout the paper.
  2. There are **total 6 questions** in this question paper. **Attempt any 4 questions.** Each question contains equal marks.
- 
1. ईशावास्योपनिषद् के आधार पर 'ईश्वर' का वर्णन कीजिए।  
Describe Īśavāra according to the Īśavāsyopaniṣad.
  2. ईशावास्योपनिषद् के अनुसार व्यक्ति स्वयं को कर्मबन्धन से कैसे बचा सकता है?  
How can a person save himself from karmabandhana according to Īśavāsyopaniṣad.
  3. ईशावास्योपनिषद् का सार अपने शब्दों में लिखिए।  
Write the summary of Īśavāsyopniṣad in your own words.
  4. गीता के द्वितीय अध्याय में श्रीकृष्ण ने आत्मा के स्वरूप को कैसे समझाया है?  
How has Shri Krishna explained about Ātmā in the second chapter of Gītā ?
  5. गीता के द्वितीय अध्याय के आधार पर समत्व बुद्धि के सिद्धान्त को समझाइये।  
Explain the concept of Equanimity on the basis of the second chapter of Gītā.
  6. गीता के द्वितीय अध्याय का क्या महत्व है ?  
What is the significance of the second chapter of Gītā ?